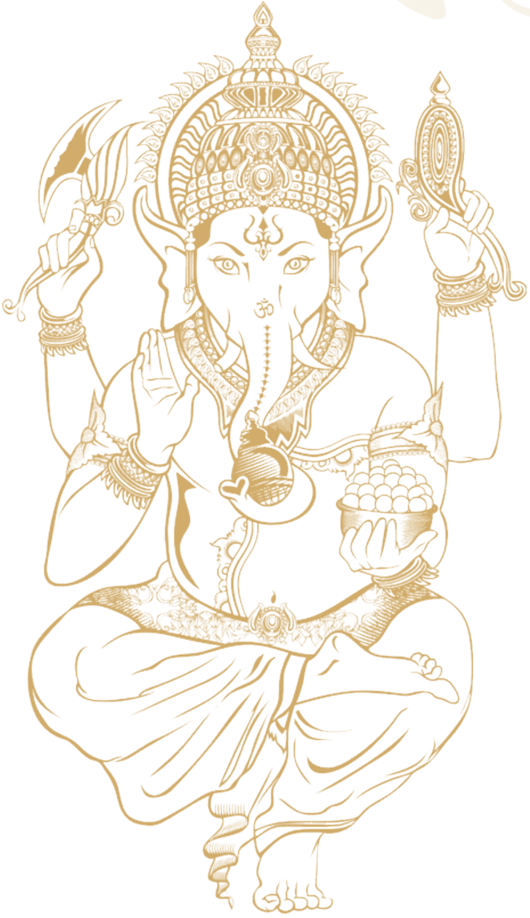

Sanjeev Gupta

21 Sep 1970

05:10 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121761006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20-21/09/1970**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:10:00 घंटे**
इष्ट	57:34:19 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:48:52 घंटे
वेलान्तर	00:06:22 घंटे
साम्पातिक काल	04:46:38 घंटे
सूर्योदय	06:08:16 घंटे
सूर्यास्त	18:20:46 घंटे
दिनमान	12:12:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:07:55 कन्या
लग्न के अंश	20:25:21 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सिद्धि
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:25:21	316:10:01	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	04:07:55	00:58:39	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			वृष	17:23:27	13:04:08	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	17:50:41	00:38:06	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध	व		सिंह	20:24:32	00:10:03	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			तुला	12:37:39	00:11:34	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	18:22:55	00:46:05	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	28:56:03	00:01:44	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	09:06:11	00:01:38	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	09:06:11	00:01:38	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	14:59:34	00:03:44	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
नेप			वृश्चि	05:08:11	00:01:18	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
प्लूटो			कन्या	03:47:17	00:02:15	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			वृष	19:38:02	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:01

लग्न-चलित

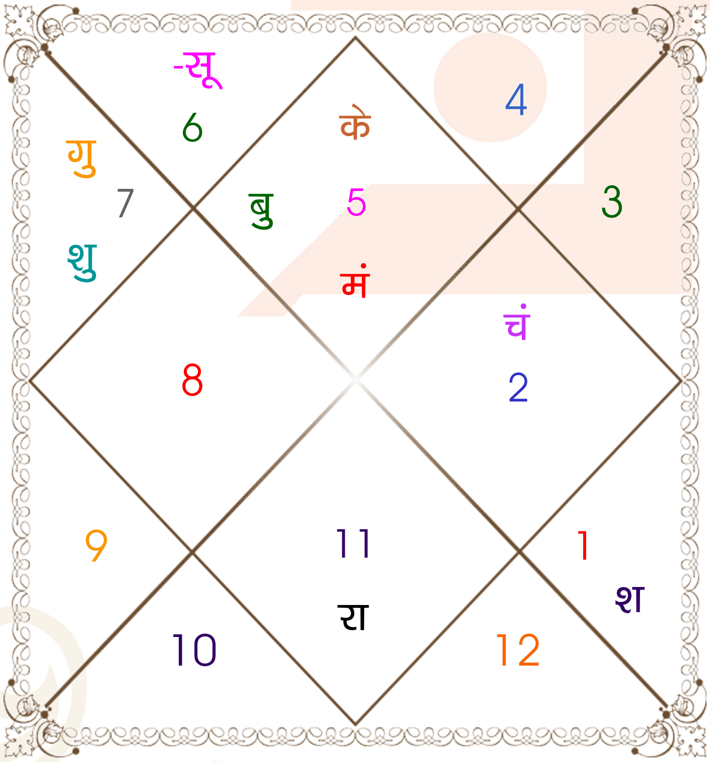

चन्द्र कुंडली

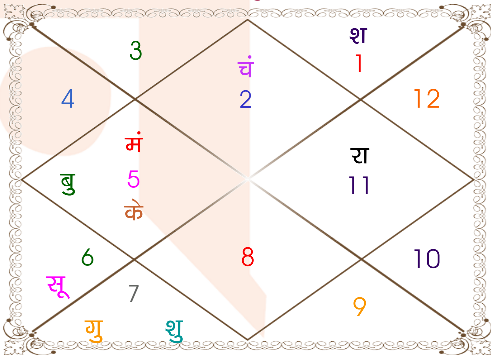

नवमांश कुंडली

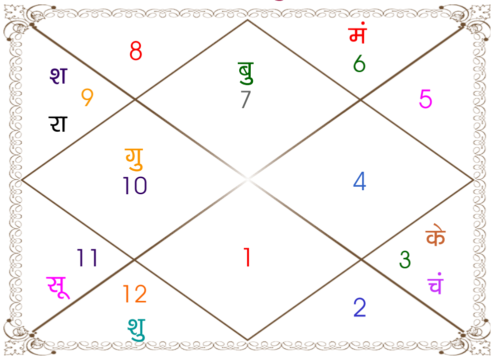

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 5 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
21/09/1970	**07/03/1975**	**06/03/1982**	**06/03/2000**	**06/03/2016**
07/03/1975	**06/03/1982**	**06/03/2000**	**06/03/2016**	**07/03/2035**
00/00/0000	मंगल 03/08/1975	राहु 17/11/1984	गुरु 24/04/2002	शनि 10/03/2019
00/00/0000	राहु 20/08/1976	गुरु 12/04/1987	शनि 04/11/2004	बुध 17/11/2021
00/00/0000	गुरु 27/07/1977	शनि 16/02/1990	बुध 10/02/2007	केतु 27/12/2022
21/09/1970	शनि 05/09/1978	बुध 04/09/1992	केतु 17/01/2008	शुक्र 25/02/2026
शनि 05/01/1971	बुध 02/09/1979	केतु 23/09/1993	शुक्र 17/09/2010	सूर्य 07/02/2027
बुध 05/06/1972	केतु 29/01/1980	शुक्र 23/09/1996	सूर्य 06/07/2011	चंद्र 07/09/2028
केतु 04/01/1973	शुक्र 30/03/1981	सूर्य 17/08/1997	चंद्र 04/11/2012	मंगल 17/10/2029
शुक्र 05/09/1974	सूर्य 05/08/1981	चंद्र 16/02/1999	मंगल 11/10/2013	राहु 23/08/2032
सूर्य 07/03/1975	चंद्र 06/03/1982	मंगल 06/03/2000	राहु 06/03/2016	गुरु 07/03/2035

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
07/03/2035	**06/03/2052**	**07/03/2059**	**07/03/2079**	**06/03/2085**
06/03/2052	**07/03/2059**	**07/03/2079**	**06/03/2085**	**00/00/0000**
बुध 02/08/2037	केतु 02/08/2052	शुक्र 06/07/2062	सूर्य 24/06/2079	चंद्र 04/01/2086
केतु 30/07/2038	शुक्र 02/10/2053	सूर्य 06/07/2063	चंद्र 24/12/2079	मंगल 06/08/2086
शुक्र 30/05/2041	सूर्य 07/02/2054	चंद्र 06/03/2065	मंगल 30/04/2080	राहु 04/02/2088
सूर्य 06/04/2042	चंद्र 08/09/2054	मंगल 06/05/2066	राहु 24/03/2081	गुरु 05/06/2089
चंद्र 05/09/2043	मंगल 04/02/2055	राहु 06/05/2069	गुरु 11/01/2082	शनि 21/09/2090
मंगल 01/09/2044	राहु 23/02/2056	गुरु 05/01/2072	शनि 24/12/2082	00/00/0000
राहु 22/03/2047	गुरु 29/01/2057	शनि 07/03/2075	बुध 30/10/2083	00/00/0000
गुरु 27/06/2049	शनि 09/03/2058	बुध 04/01/2078	केतु 06/03/2084	00/00/0000
शनि 06/03/2052	बुध 07/03/2059	केतु 07/03/2079	शुक्र 06/03/2085	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 5 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।